

टूर संदर्भ
LKHAMEV3AT

मोती के चारों ओर ट्रेल (21 दिन)

15 दिन · 14 रातें | ड्राइवर-गाइड के साथ निजी टूर

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं

इस अनुभव के बारे में

यह 21-दिवसीय मार्ग श्रीलंका की लंबाई में चलता है, पश्चिमी तट से हवाई अड्डे के पास शुरू होकर सांस्कृतिक त्रिभुज के प्राचीन शहरों से होते हुए, चाय उगाने वाले पहाड़ी इलाकों में, पहाड़ी इलाके की ट्रेन लाइन से होते हुए एला तक, फिर यला के चारों ओर शुष्क-क्षेत्र सफारी देश तक, और अंत में गल्ले पर दक्षिणी तट तक। इसे छोटी यात्राओं की एक श्रृंखला के बजाय एक सतत अधिभूमि पथ के रूप में बनाया गया है, प्रत्येक क्षेत्र में कई रातें आरक्षित हैं ताकि चीजों को ठीक से देखने का समय हो, न कि उन्हें आगे बढ़ जाने का।

यात्रियों को द्वीप का एक वास्तविक अनुभाग मिलता है: नेगोम्बो के समुद्र तट और मछली पकड़ने के बंदरगाह, सिगिरिया का चट्टान किला और डंबुल्ला के गुफा मंदिर, पोलोन्नरुवा का खंडहर शहर, कांडी का दांत का मंदिर और वनस्पति उद्यान, नुवारा एलिया की चाय की बागान और ठंडी जलवायु, एला के लिए सुंदर रेल यात्रा, यला राष्ट्रीय पार्क में जीप सफारी, और गल्ले के चारों ओर औपनिवेशिक किला और तटरेखा। रास्ते में एक हाथी अनाथालय, एक मसाला बाग, एक कार्यशील चाय कारखाना, और सिगिरिया के पास एक गांव का अनुभव है जिसमें एक बैल-गाड़ी की सवारी और एक घर-निर्मित दोपहर का भोजन शामिल है।

गति दूरी के बजाय गहराई का पक्ष लेती है, डंबुल्ला और गल्ले के चारों ओर लंबे ठहराव के साथ ताकि एक आधार से कई अलग-अलग भ्रमण के लिए जगह हो, न कि निरंतर स्थानांतरण के। यात्रा और दर्शनीय स्थल सभी के साथ एक चालक-गाइड के साथ व्यवस्थित किए जाते हैं, जिससे यात्रियों को परिदृश्य, इतिहास और वन्यजीवों का आनंद लेने के लिए स्वतंत्र किया जाता है, बिना स्वयं लॉजिस्टिक का प्रबंधन किए।



दिन-दर-दिन यात्रा कार्यक्रम

दिन 1 नेगोम्बो (दिन 1–2)

यह यात्रा पश्चिमी तट पर स्थित नेगोम्बो में दो दिनों से शुरू होती है, जो एयरपोर्ट से थोड़ी ही दूरी पर है, जहाँ आपके पास शहर भ्रमण या बस समुद्र तट पर आराम करने का समय होगा।



नेगोम्बो शहर भ्रमण

नेगोम्बो अपने सुनहरे रेतीले समुद्र तटों और सदियों पुराने मछली पकड़ने के उद्योग के लिए जाना जाता है, जो आज भी तट के किनारे सक्रिय है। यहाँ आने वाले पर्यटक वॉटर स्पोर्ट्स का आनंद ले सकते हैं, कोरल और समुद्री जीवन देखने के लिए डाइविंग कर सकते हैं, या तट के पास डूबे एक 50 साल पुराने जहाज़ के मलबे को देख सकते हैं, जो अब कई प्रकार की मछलियों का घर बन गया है।

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं

दिन 3 दाम्बुला (दिन 3–6)

दाम्बुला में बिताए जाने वाले चार दिन सांस्कृतिक त्रिकोण के मुख्य आकर्षणों को समेटे हुए हैं, जिनमें एक हाथी अनाथालय, गुफा मंदिर, एक शैल दुर्ग, एक ग्रामीण अनुभव और द्वीप के दो प्रमुख प्राचीन एवं वन्यजीव स्थल शामिल हैं, साथ ही एक दिन होटल में आराम करने के लिए खाली रखा गया है।



पिन्नावाला हाथी अनाथालय

यह उन युवा हाथियों का घर है जो अपने प्राकृतिक आवास से बेघर हो गए हैं, सबरागामुवा प्रांत के पिन्नावाला गाँव में स्थित है। लगभग 70 हाथियों के साथ, यह दुनिया का सबसे बड़ा बंदी हाथी समूह है और पर्यटकों को इन जानवरों के करीब से अनुभव का अवसर देता है।

Bernard Gagnon · CC BY-SA 3.0



दाम्बुला गुफा मंदिर

दाम्बुला का स्वर्ण मंदिर प्रथम शताब्दी ईसा पूर्व का है और इसमें भगवान गौतम बुद्ध के जीवन को दर्शाते प्राचीन भित्तिचित्र, सैकड़ों बुद्ध मूर्तियाँ और अन्य देवताओं की मूर्तियाँ पाँच मुख्य गुफाओं में फैली हुई हैं, जिनमें दिव्य राजा की गुफा और महान राजा की गुफा शामिल हैं। गुफा परिसर से थोड़ी दूरी पर एक विशाल स्वर्ण बुद्ध प्रतिमा स्थित है।

Lankapic · CC BY 2.5



सिगिरिया शैल दुर्ग

पाँचवीं शताब्दी ईस्वी का यह शैल दुर्ग, जिस पर एक समय राजा कश्यप का शासन था, यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है और इसके आधार पर स्थित सिंह-पंजे के प्रवेश द्वार के कारण इसे 'सिंह शैल' के नाम से जाना जाता है। पर्यटक सुरक्षित भित्तिचित्रों के पास से एक सीधी सीढ़ी चढ़ते हुए सीढ़ीदार बगीचों और अभी भी कार्यशील जलाशयों तक पहुँचते हैं, जो प्राचीन श्रीलंकाई जल-अभियांत्रिकी का प्रमाण हैं।

Wrobell · CC BY-SA 3.0



सिगिरिया ग्राम भ्रमण

इस ग्रामीण अनुभव में बैलगाड़ी की सवारी, एक शांत झील पर कैटामरान सफारी और सुनहरे धान के खेतों के बीच सैर शामिल है। इसमें एक पारंपरिक खाना पकाने का प्रदर्शन और लकड़ी की आग पर बना घरेलू भोजन भी शामिल है, जो कमल के पत्तों पर परोसा जाता है।

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं



मिन्नेरिया राष्ट्रीय उद्यान

मिन्नेरिया राष्ट्रीय उद्यान की सफारी में बड़ी संख्या में हाथियों को एक साथ देखने का अवसर मिलता है, जिनमें मई से अक्टूबर के दौरान होने वाले 'ग्रेट एलीफेंट गैदरिंग' के समय 150 से अधिक हाथी शामिल होते हैं। यह उद्यान अपने झाड़ीदार मैदानों और वनों में अन्य स्तनधारियों, पक्षियों, रेप्टाइलों और उभयचरों का भी घर है।

Stuart Pinkney · CC BY 2.0



पोलोन्नारुवा का प्राचीन साम्राज्य

पोलोन्नारुवा श्रीलंका की दूसरी प्रमुख राजधानी थी, जो दसवीं से तेरहवीं शताब्दी ईस्वी के बीच अपने चरम पर रही। इसके खंडहरों में प्रमुख आकर्षणों में गल विहार, वातादगे, लोटस बाथ, लंकातिलक मंदिर और राजा पराक्रमबाहु से जुड़ी मूर्ति शामिल है, जिनके शासनकाल को साम्राज्य का स्वर्णिम युग माना जाता है।

Bernard Gagnon · CC BY-SA 3.0

दिन 7 दाम्बुला → कैंडी (दिन 7–8)

यह मार्ग पहाड़ी राजधानी कैंडी की ओर आगे बढ़ता है, रास्ते में एक मसाला बागान पर रुकते हुए, इससे पहले कि आप शहर के सबसे पूजनीय मंदिर और इसके वानस्पतिक उद्यान की सैर करें।



मसाला बागान

यूफोरिया स्पाइस एंड हर्बल गार्डन मातले के पास स्थित है, जो श्रीलंका की मसाला राजधानी मानी जाती है, और यहाँ उष्णकटिबंधीय जलवायु में मसाले और औषधीय पौधे उगाए जाते हैं, जो उनके प्राकृतिक गुणों को बनाए रखती है। एक निर्देशित मसाला दौरे में इन पौधों के उपयोग और आयुर्वेद के सिद्धांतों को समझाया जाता है।

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं



दलदा मालिगावा (दंत अवशेष मंदिर)

यह यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल सोलहवीं शताब्दी में भगवान बुद्ध के पवित्र दाँत को रखने और सुरक्षित करने के लिए बनाया गया था। इसके गलियारे और हॉल लाल, क्रीम और काले रंगों से सजे हैं, जिनमें नक्काशीदार स्तंभ और सोने की मूर्तियाँ जगह-जगह दिखाई देती हैं।

A.Savin · FAL



शाही वानस्पतिक उद्यान

पेराडेनिया का शाही वानस्पतिक उद्यान उन्नीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में स्थापित किया गया था और इसमें आर्किड, मसाले और औषधीय पौधों समेत 4,000 से अधिक प्रजातियाँ मौजूद हैं। इसकी विशेषताओं में एक कैननबॉल वृक्ष, एक झूलता पुल, हेज मेज़ और बड़े, दुर्लभ वृक्षों की कतारें शामिल हैं।

Bernard Gagnon · CC BY-SA 3.0

दिन 9 कैंडी → नुवरा एलिया (दिन 9–10)

मध्य पर्वतीय क्षेत्र से होते हुए नुवरा एलिया की यात्रा में एक जलप्रपात और एक चाय फैक्ट्री को देखने के बाद शहर का भ्रमण किया जाता है, साथ ही हॉर्टन प्लेन्स की वैकल्पिक ट्रेकिंग का भी विकल्प उपलब्ध है।



रामबोडा जलप्रपात

रामबोडा जलप्रपात देश का ग्यारहवाँ सबसे ऊँचा जलप्रपात है। इस दिन के कार्यक्रम में हक्गला वानस्पतिक उद्यान की छायादार गलियाँ और ग्रेगरी झील के किनारे सैर भी शामिल है।

A.Savin · FAL

चाय फैक्ट्री

यह चाय फैक्ट्री और बागान दिखाता है कि सीलोन टी कैसे तैयार की जाती है, यह परंपरा 1824 से चली आ रही है, जब पहली बार एक चाय का पौधा सीलोन लाया गया और शाही वानस्पतिक उद्यान में रोपा गया। ब्रिटिश बागान मालिक जेम्स टेलर, जो 1852 में यहाँ आए और कैंडी के लूलेकोन्डेरा एस्टेट में बस गए, ने द्वीप पर व्यावसायिक चाय की खेती की शुरुआत की।



कोहरे में ढके नुवरा एलिया शहर की सैर

लगभग 6,200 फीट की ऊँचाई पर चाय के बागानों के बीच स्थित, नुवरा एलिया एक ऐसा शहर है जो अंग्रेज़ी ग्रामीण शैली में बना है, जिसमें जॉर्जियन और क्वीन ऐन शैली के घर, सुव्यवस्थित लॉन, एक एंग्लिकन चर्च और एक गोल्फ कोर्स शामिल हैं। इसकी ऊँचाई यहाँ की हवा को ठंडा और ताज़ा बनाए रखती है।

Abdul malik77 · CC BY-SA 4.0



हॉर्टन प्लेन्स

ओहिया के पास स्थित हॉर्टन प्लेन्स राष्ट्रीय उद्यान पर्वतीय घास के मैदानों और मेघ वनों का क्षेत्र है। इसकी विशेषताओं में 'वर्ल्ड्स एंड' नाम से प्रसिद्ध गहरी खाई, बेकर्स फॉल्स का ठंडा जल-छिड़काव, और यहाँ पाई जाने वाली कई स्थानिक प्रजातियाँ शामिल हैं।

Faslan at en.wikipedia · CC BY-SA 3.0

दिन 11 नुवरा एलिया → एला (दिन 11–12)

एक और चाय फैक्ट्री की यात्रा के बाद, यह यात्रा नानु ओया से एला तक रेल मार्ग से जारी रहती है, जो द्वीप की सबसे सुंदर रेल यात्राओं में से एक है, और इसके बाद एला में एक खाली दिन उपलब्ध है।

चाय फैक्ट्री

यह चाय फैक्ट्री और बागान दिखाता है कि सीलोन टी कैसे तैयार की जाती है, यह परंपरा 1824 से चली आ रही है, जब पहली बार एक चाय का पौधा सीलोन लाया गया और शाही वानस्पतिक उद्यान में रोपा गया। ब्रिटिश बागान मालिक जेम्स टेलर, जो 1852 में यहाँ आए और कैंडी के लूलेकोन्डेरा एस्टेट में बस गए, ने द्वीप पर व्यावसायिक चाय की खेती की शुरुआत की।



सुंदर रेल यात्रा

नानु ओया से एला तक की रेल यात्रा पहाड़ी ग्रामीण इलाकों से गुज़रती है, जिसमें रास्ते में चाय के बागान, धुंधली पहाड़ियों की पृष्ठभूमि और हपुताले के दृश्य नज़र आते हैं। जैसे-जैसे ट्रेन नीचे उतरती है, रास्ते में पहाड़, वनभूमि और जलप्रपात भी दिखते हैं।

Chamal N · CC BY-SA 3.0

दिन 13 एला → याला (दिन 13–14)

एला से यह मार्ग याला के आसपास के निचले इलाकों की ओर उतरता है, जहाँ देश का दूसरा सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान स्थित है, और यहाँ एक जीप सफारी का आयोजन होता है।



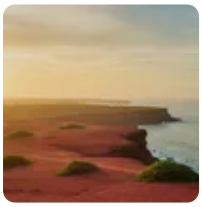
याला राष्ट्रीय उद्यान

यह तीन घंटे की सफारी याला राष्ट्रीय उद्यान की सैर कराती है, जो देश का दूसरा सबसे बड़ा उद्यान है और दक्षिण-पूर्वी तट पर स्थित है। इस उद्यान में श्रीलंकाई तेंदुओं, जंगली भैंसों, श्रीलंकाई स्लॉथ भालुओं और हाथियों के बड़े समूहों के साथ-साथ कई अन्य स्तनधारी, पक्षी, रेप्टाइल, उभयचर, मछलियाँ और अकशेरुकी जीव पाए जाते हैं।

Ranmith Welikala · CC BY-SA 4.0

दिन 15 गॉल (दिन 15–20)

यात्रा का अंतिम चरण दक्षिणी तट पर स्थित गॉल के आसपास बिताया जाता है, जहाँ एक तटीय प्राकृतिक स्थल, एक पहाड़ी स्थल और पुराने औपनिवेशिक किले वाले शहर की सैर की जाती है, साथ ही प्रस्थान से पहले समुद्र तट पर आराम करने का समय भी मिलता है।



उस्सनगोडा तट

उस्सनगोडा एक तटीय क्षेत्र है जो अपने पेड़ों की कमी के लिए जाना जाता है, जिसका कारण यहाँ की सर्पेंटाइन चट्टान है जिसमें विषाक्त भारी धातुएँ पाई जाती हैं, जिन्हें केवल कुछ छोटे पौधे ही सहन कर पाते हैं। स्थानीय मान्यता इस स्थल को रामायण से जोड़ती है, इसकी वीरान भूमि को हनुमान की जलती पूंछ और राजा रावण द्वारा इस पठार को अपने रथ के उतरने के स्थान के रूप में उपयोग करने से संबंधित बताया जाता है।

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं



रूमासाला

गॉल से कुछ किलोमीटर पूर्व में स्थित रूमासाला पहाड़ी की चोटी पर एक सफेद बौद्ध स्तूप है और यह उनावातुना समुद्र तट का एक प्रमुख चिह्न है। किंवदंती के अनुसार यह द्रोणगिरि पर्वत का एक टुकड़ा है जो हनुमान द्वारा गिराया गया था, और इसे सीता के लंका में ठहरने से भी जोड़ा जाता है।

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं



गॉल का पुराना औपनिवेशिक नगर

गॉल किला पुर्तगालियों और डचों दोनों का मुख्यालय था और यह एशिया के सबसे सुसंरक्षित किलेबंदियों में से एक बना हुआ है। इस शहर में घूमने के लिए संग्रहालय, एक प्रकाश स्तंभ और डच नामों वाली पत्थरों से बनी गलियाँ मौजूद हैं।

Rovin Shanila · CC BY-SA 4.0